कर लो न बात साँवरे

तर्ज:- जबसे देखा तुम्हें जाने क्या हो गया

रो रो कहता मैं तुमसे ये बात साँवरे
आके करलो न मुझसे दो बात साँवरे

तेरी यादों में हरपल मैं खोने लगा
इसी आस में दिन में भी सोने लगा
तेरे सपनो में आने की आस साँवरे
आके करलो न मुझसे .....

साथ रहता है अहसास होने लगा
तेरे ही ख्यालों में खोने लगा
है भरोसा ये देगा सौगात साँवरे
आके करलो न मुझसे .....

सच कहता हूं मन को तूँ मोहने लगा
रवि किरपा से तेरी संवरने लगा
पिता निकिता का तूँ ही ओर मात साँवरे
आके करलो न मुझसे .....

लेखक:- रवि शर्मा (श्रीगंगानगर)७०६२५३४५९०
गायिका:-निकिता अग्रवाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22633/title/kar-lo-na-baat-sanwre

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |